Poonam Shodh Rachna (ISSN 2456-5563)
(A Multidisciplinary, Peer Reviewed and Refereed Research Journal)
Vol. 2, Issue.X, October 2023, PSR-2310001

रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण के माध्यम से बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की व्यक्तित्व संरचना का अध्ययन एवं प्रतिपुष्टि प्रदान करना

शोधकर्ता
अर्चना शुक्ला
एजुकेशन विभाग

निर्देशक
डॉ. एस.के. त्रिपाठी
सहा. प्राध्यापक शिक्षा
शा. शिक्षा महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

परिचय

किसी भी देश में शिक्षा रूपी तंत्र संचालन में शिक्षक विशाल पहिये का कार्य करता है। शिक्षक के व्यक्तित्व का प्रभाव उसकी शिक्षण कला पर अवष्य पड़ता है और उसकी दक्षता का प्रभाव उसके व्यक्तित्व पर पड़ता है।

अतः शिक्षक, शिक्षा में प्रषिक्षणार्थियों के व्यक्तित्व का मूल्यांकन अनिवार्य हो जाता है, जब व्यक्तित्व के कुछ पहलुओं का मापन व्यक्तित्व सूचियों या अन्य विधियों द्वारा प्रायः असम्भव हो जाता है तब हम उस स्थिति में प्रक्षेपी विधियों का प्रयोग करते है क्योकि इनके माध्यम से आन्तरिक सतह तक की दमित इच्छाओं व्यक्तित्व का ज्ञान होता है और इसलिए प्रक्षेपी विधियों के व्यक्तित्व मापन की सर्वोत्तम विधियॉ समझा जाता है, जो प्रक्षेपण रक्षा युक्ति (Projection Mechanism) पर आधारित होती है।

औचित्य

स्वीस मनोचिकित्सक हरमन रोर्षा के धब्बे के परीक्षण का विकास किया था, इस परीक्षण के द्वारा व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। इस विषय में अनेक शोध हुए है और इसकी विष्वसनीयता को अनेक मनोवैज्ञानिकों ने अपनी विधि से बतलाया है। परन्तु अब तक के शोधों में बीएड विद्यार्थियों के मूल्यांकन के रूप में इस पर कार्य नहीं किया है तथा प्रतिपुष्टि द्वारा निर्देशित करने का कार्य भी नहीं हुआ है।

उद्देश्य

1. रोर्शा स्याही के धब्बों के परीक्षण द्वारा बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के व्यक्तित्व का मूल्यांकन करना है।
2. व्यक्तित्व के मूल्यांकन की प्रतिपुष्टि प्रषिक्षणार्थियों को प्रदान करना है।
3. प्रषिक्षणार्थियों को मूल्यांकन के आधार पर निर्देषित करना।

4. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के निर्देशन के पूर्व एवं पष्चात एवं परीक्षण के सामान्य ज्ञान के उपलब्धि प्राप्तांकों के माध्यों की तुलना करना।
5. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पश्चात परीक्षण के उपलब्धि के प्राप्तांकों की रोर्षा द्वारा प्राप्त व्यक्तित्व के मूल्यांकन के प्राप्तांको से सह सम्बंध ज्ञात करना।
6. प्रतिक्रिया मापनी द्वारा प्रशिक्षणार्थियों के रोर्षा के व्यक्तित्व के मूल्यांकन की प्रतिपुष्टि द्वारा प्रदान निर्देशन की प्रभावित का अध्ययन करना।

परिकल्पना

1. रोर्षा स्याही के धब्बे के परीक्षण द्वारा बीएड प्रशिणार्थियों के व्यक्तित्व के मूल्यांकन के प्राप्तांकों में अन्तर नहीं पाया जाएगा।
2. व्यक्तित्व की प्रतिपुष्टियों में कोई अन्तर नहीं पाया जाएगा।
3. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के सामान्य ज्ञान के पूर्व एवं पश्च परीक्षण उपलब्धि प्राप्तांको के माध्यों की तुलना में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया जाएगा।
4. बी. एड. प्रशिक्षणार्थियों के पश्च परीक्षण के प्राप्तांकों एवं रोर्षा द्वारा प्राप्त व्यक्तित्व के मूल्यांकन के प्राप्तांकों में कोई सार्थक सहसम्बंध नही पाया जाएगा।
5. रोर्शा व्यक्तित्व मूल्यांकन की प्रतिपुष्टि द्वारा प्रदान निर्देशन के प्रति प्रशिक्षणार्थियों को निर्देशनोंपरान्त प्रतिक्रियाएँ विभिन्न कथनों पर समान पायी जायेगी।

परिसीमन

मध्यप्रदेश के इन्दौर शहर के देवी अहिल्या आर्ट एण्ड कामर्स कॉलेज के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों को चुना गया।

शोध अभिकल्प

प्रस्तुत शोध में प्रायोगिक शोध प्रविधि का उपयोग किया गया है पूर्व एवं परीक्षण एकल समूह अभिकल्प का उपयोग है। इसका प्रारुप निम्नानुसार है

न्यादर्ष

देवी अहिल्या आर्ट एण्ड कामर्स कॉलेज इंदौर के बी.एड. के दो सत्र के विद्यार्थियों को उद्देश्यपूर्ण विधि से चयनित किया गया है। मध्यप्रदेष के इन्दौर शहर से केवल देवी अहिल्या आर्ट एण्ड कामर्स कॉलेज के बी.एड. प्रषिक्षणार्थियों को इस शोध हेतु चुना गया।

समस्या कथन

''मूल्यांकन के नवीन संदर्भ में रोर्षा स्याही के धब्बों के उपकरण द्वारा बी.एड. प्रषिक्षणार्थियों को प्रतिपुष्टि द्वारा निर्देषन की प्रभाविता का अध्ययन''

उपकरण

रोर्षा परिक्षण के स्वविकसित 10 कार्ड, लोकेषन चार्ट, ब्लेक रिकार्ड, उपलब्धि परीक्षण पत्र, प्रतिपुष्टि प्रतिक्रिया मापनी।श

शोध प्रविधि

1. परीक्षण उद्देश्य– रोर्षा स्याही धब्बा परीक्षण के माध्यम से बी.एड. प्रषिक्षणार्थियों की व्यक्तित्व संरचना का अध्ययन करना एवं प्रतिपुष्टि प्रदान करना।
2. वांछित सामग्री –10 कार्ड रोर्षा टेस्ट हेतु 2. मैन्युअल 3. लोकेशन चार्ट 4. ब्लेक रेकार्ड 5. एनालिसिस कार्ड 6. पेपर/पेन/पेंसिल 7. स्टॉप वाच/स्टॉप क्लॉक

3. परीक्षार्थी सम्बंधी सूचना :

नाम .....आयु.....लिंग ..... जाति.....धर्म.....ग्रामीण/षहरी .....शैक्षणिक योग्यता ....।

4. परीक्षण विवरण : इस परीक्षण में 10 कार्ड होते है जो सफेद, काले तथा बहुरंगी होते हैं। इस परीक्षण द्वारा अचेतन मन की स्थिति को स्याही के धब्बे पर व्यक्ति अर्थपूर्ण शब्दों द्वारा प्रकट करता है। रोर्षा को प्रकाषित फलांकन एवं व्याख्या के लिये कुछ मनोवैज्ञानिकों ने अपनी विधियॉ विकसित की जिनमें प्रमुख है–

1. Beck Scoring Technique
2. Kloper Scoring Technique
3. Rapaprit Scoring Technique

विश्वसनीयता : रोर्षा की विष्वनीयता को अनेक मनोवैज्ञानिको ने अपनी विधि से बतलाया है, जो निम्न है–

1. कैली परीक्षण, पुनरीक्षण विधि
2. स्विफ्ट –''– .54 से .95
3. केपलन समान्तर प्रारुप विधि .56 से .65
4. वर्न अर्थ विच्छेद विधि .54 से .95

वैधता : व्यक्तित्व का मूल्यांकन करने के लिये रोर्षा परीक्षण एक वैध परीक्षण है। सैगल ने इसकी वैधता 0.80 बतलाई है।

प्राप्तांकों का विश्लेषण एवं विवेचना

रोर्षा की अनुक्रिया की व्याख्या या विवेचन निम्न प्रकार होता है–

1. **स्थिति का विवेचन** – w अनुक्रिया पर अमूर्त पदार्थो w की अनुक्रिया पर मूर्त तथा व्यावहारिक स्वरूप

सांख्यिकीय विधि –सामान्य तुलनात्मक विधि।

प्रदत्तों का संकलन : चयनित देवी अहिल्या आर्ट एण्ड कामर्स कॉलेज इंदौर के बी.एड. प्रषिक्षणार्थियों को स्वविकसित सामान्य ज्ञान पर आधारित उपलब्धि परीक्षण पत्र द्वारा पूर्व परीक्षण लिया गया तथा प्रदत्त संकलित किये गये।

प्रदत्तों का विष्लेषण : सभी चयनित बी.एड. प्रषिक्षणार्थियों के उपलब्धि परीक्षण पूर्व एवं परीक्षणों के समंकों के मध्यमान मानक विचलन T परीक्षण निकालकर विवेचना की है।

1. **सामान्य तुलनात्मक विधि** : बी.एड. प्रषिक्षणार्थियों के उपलब्धि परीक्षण पूर्व एवं पष्च परीक्षणों माध्यों का तुलनात्मक अध्ययन से ज्ञात होता है कि–

कथन :

x^2 स्के. मान 17.74 जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है 17.74 जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है। इस प्रकार प्रतिषत मान से स्पष्ट है कि 68.75 प्रतिषत की प्रतिक्रियाएँ प्रमाण सामग्री द्वारा कथन– 1 तथा 31.25 सहमत है।

कथन :

x^2 स्के. मान 9.56 है तथा प्रतिषत मान से स्पष्ट है कि 50%. इस पद से पूर्ण सहमत है तथा 50% छात्र इससे सहमत है जबकि अतिरिक्त पूर्णतः असहमत, सहमत पर कोई प्रतिक्रिया नही है।

परिणाम एवं विवेचना :

प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों के विष्लेषण के आधार पर निम्न परिणाम पाये गये–

1. बी.एड. के चयनित प्रषिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पष्च परीक्षण के उपलब्धि प्राप्तांकों के (पांचो इकाईवार) 't' के मान 0.001 सार्थकता स्तर पर सार्थक पाये गये। इस प्रकार रोर्षा के स्याही के धब्बे का परीक्षण प्रषिक्षणार्थियों की उपलब्धि में विकास हुआ।
2. प्रक्रिया मापनी द्वारा प्राप्त प्रतिक्रियाओं में व्यक्तित्व का मूल्यांकन रोर्षा के स्याही के धब्बों के द्वारा 95 प्रतिषत कथनों में सकारात्मकता पाई गई।

उपरोक्त प्रषिक्षणार्थियों के व्यक्तित्व मूल्यांकन में रोर्षा स्याही के धब्बों का परीक्षण पूर्व एवं पष्च उपलब्धि परीक्षण के उपलब्धि प्राप्तांको के मध्य प्रत्येक इकाई में 0.001 सार्थकता के स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया। अतः लघु शोध हेतु प्रथम परिकल्पना निरस्त की जाती है।

निष्कर्ष :

1. रोर्षा स्याही परीक्षण द्वारा बी.एड. के प्रषिक्षणार्थियों का व्यक्तित्व मूल्यांकन समग्र रूप से होता है।
2. प्रतिपुष्टि उचित निर्देषन दिया जा सकता है।
3. निर्देषन द्वारा प्रषिक्षणार्थियों के व्यक्तित्व में सार्थक विकास पाया गया।
4. रोर्षा स्याही के धब्बों द्वारा व्यक्तित्व मूल्यांकन की प्रतिपुष्टि के निर्देषन के प्रभाविता को विभिन्न कथनों पर सकारात्मक पाया गया।
5. मूल्यांकन के संदर्भ में इसे एक नवाचार के रूप में प्रभावी पाया गया।

संदर्भ :

1. अध्यापक षिक्षा की अवधारणा– डॉ. एम.एस. भाटिया
2. भारतीय षिक्षा और उसकी समस्याएँ– पी.डी. पाठक
3. षैक्षिक अनुसंधान की क्रियाप्रणाली– विकास प्रकाषन नई दिल्ली
4. षैक्षिक अनुसंधान की रूपरेखा – के.पी. पाण्डेय – अमित प्रकाषन मेरठ
5. षिक्षा अनुसंधान एवं सांख्यिकीय– डॉ रामपाल सिंह
6. षिक्षा अनुसंधान– आर.ए. शर्मा, आर.एल. प्रकाषन मेरठ

*****